स्वतंत्रता दिवस के पहले पूसा संस्थान में देशभर के 1000 किसानों का भ्रमण

नई दिल्ली (14.08.2024)।

आज दिनांक 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 1000 किसानों ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। ये सभी किसान देशभर के विभिन्न राज्यों से आए थे और इन्हें भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे किसान उत्पादक समूह, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाओं के लाभार्थी थे। इन्हें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने के लिएआमंत्रित किया गया था।

स्वतंत्रता दिवस की पहले इन्हें हरित क्रांति के जनक स्थल भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया, ताकि किसानों के दिल्ली आगमन का अधिकतम लाभ मिल सके, और कृषक कृषि की आधुनिकतम तकनीकों की जानकारी से लाभान्वित हो सकें । इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर इस भ्रमण की योजना बनाई गई।पूसा संस्थान के संपूर्ण अनुसंधान प्रक्षेत्र में ऐसे 18 क्लस्टर चिह्नित किए गए, जैसे संरक्षित खेती – ग्रीनहाउस एवं अलंकृत नर्सरी, सब्जी नर्सरी, टपक सिंचाई के अंतर्गत सब्जी उत्पादन, वर्टीकल खेती एवं हाइड्रोपोनिक्स, मशरूम इकाई, समन्वित खेती (सिंचित) मॉडल , समन्वित खेती (वर्षा आधारित) मॉडल, जल प्रौद्योगिकी केंद्र में जल संसाधन प्रबंधन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियाँ, अधिक समय तक फसल प्रबंधन हेतु पूसा फार्म सनफ्रीज, बाजरा प्रक्षेत्र, पोषण प्रबंधन प्रक्षेत्र, उपसतही सिंचाई एवं फर्टिगेशनप्रक्षेत्र, संरक्षण खेती, धान प्रक्षेत्र, कंपोस्टिंक इकाई, पूसा अमृत सरोवर, फार्म मशीनरी कार्यशाला, पुष्प उद्यान, आम एवं किन्नों का बगीचा एवं उद्यमिता विकास में सक्षम पूसा एग्री कृषि हाट।

सभी 1000 किसानों को लगभग 50-50 के समूह में बाँटकर सभी क्लस्टर में ले जाया गया तथा वहाँ मौजूद वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने संबंधित तकनीकों की जानकारी दी। आगंतुक किसानों में महिलाएँ, बुजुर्ग, युवा, सभी वर्ग के किसान थे। उन्होंने वैज्ञानिकों के साथ बढ़-चढ़कर चर्चा में हिस्सा लिया एवं तकनीकी सीखने में रूचि दिखाई। संस्थान के जल प्रौद्योगिकी सभागार में किसान उत्पादक समूहों के लगभग 200 किसानों ने कृषक वैज्ञानिक संवाद में भाग लिया एवं जल संसाधन प्रबंधन प्रौद्योगिकियों के गुर सीखे।

यह कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किया गया। इस आयोजन की परिकल्पना एवं रूपरेखा डॉ आर.एन. पडारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार) ने बनाई तथा समन्वय एवं सफल संचालन डॉ ए.के. सिंह, प्रभारी, कृषि प्रौद्योगिकी आकलन एवं स्थानांतरण केंद्र (कैटेट) ने किया। कार्यक्रम में पूसा संस्थान के अनेक विशेषज्ञ वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारीगण विभिन्न क्लस्टरों में तकनीकी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साझा करने हेतु अनुसंधान प्रक्षेत्र में मौजूद रहे ।

Farmers' Visit to Pusa Institute prior to Independence Day

New Delhi (14.08.2024).

On August 14, a day before Independence Day, 1000 farmers visited the research fields of the ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi. These farmers came from various states across the country and are beneficiaries of different government schemes such as Farmer Producer Organizations, Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi, and Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana. They were invited by the Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India, to participate in the Independence Day celebrations.

To maximize the benefit of the farmers' visit to Delhi, a tour of the ICAR- The Indian Agricultural Research Institute (IARI), seat of India's 'Green Revolution, was organized. The aim was to facilitate farmers to the latest agricultural technologies. Eighteen clusters were identified throughout the Pusa Institute's research fields, including protected cultivation (greenhouses and ornamental nurseries), vegetable nurseries, drip irrigation for vegetable production, vertical farming and hydroponics, mushroom units, integrated farming (irrigated) models, integrated farming (rainfed) models, advanced water management technologies at the Water Technology Centre, Pusa Farm Sunfridge, millet fields, nutrition management fields, sub-surface irrigation and fertigation fields, conservation farming, paddy fields, composting units, Pusa Amrit Sarovar, farm machinery workshops, floricultural technologies, mango and kinnow orchards, and Pusa Agri-Haat for entrepreneurship development.

The 1000 farmers were divided into groups of approximately 50 and taken to each cluster where scientists and experts provided information about the respective technologies. The visiting farmers included women, elderly, youth, and farmers were get to know the Improved IARI technologies. They actively participated in discussions with scientists and showed interest in learning new techniques. At the Water Technology Auditorium of the institute, around 200 farmers from Farmer Producer Organizations participated in Farmers-Scientist Interaction meet and learned the intricacies of water resource management technologies.

This program was conducted with the support of the Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare. The conceptualization and framework of the event were designed by Dr. R.N. Padaria, Joint Director (Extension), ICAR-IARI and the coordination and successful execution were managed by Dr. A.K. Singh, In-Charge, Centre for Agricultural Technology Assessment and Transfer (CATAT). Various scientists and technical officers from the Pusa Institute were present in various clusters to share knowledge and technologies.

WATER TECHNOLOGY CENTRE
जल प्रौद्योगिकी केन्द्र

Rishi Haat, ICAR-IARI, New Delhi-110012
Gamut Store